तौशा-शरीफ कि फातिहा का तरीक़ा

सबसे पहले आप 111 दानों को गिन कर, रूपट्टा-नुमा एक सफेद चादर पर रख दें।

फिर बगैर दानों को हाथ लगाए ही एक मर्तबा सूरह-फातिहा सभी हज़रात पढ़लें।

1. **111 बार दरूदे-गौसिया पढ़लें।**

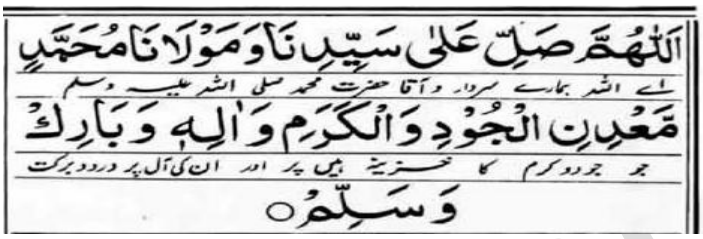

2. **111 बार सूरह-फातिहा पढ़ें।**

3. **111 बार तीसरा कलमा (तमजीद) पढ़ें।**

سُبْحَانَ اللّٰهِ وَالْحَمْدُ لِلّٰهِ وَلَآ اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَاللّٰهُ اَكْبَرُ ط وَلَا حَوْلَ وَلَا قُوَّةَ اِلَّا بِاللّٰهِ الْعَلِيِّ الْعَظِيْمِ ط

4. **एक मर्तबा सूरह यासीन शरीफ पढ़ें।**

5. सबसे पहले पूरे 111 दानों पर अलम नशरह पढ़लें, फिर उसमे से 11 दाना निकालकर 900 बार यानि (9 मर्तबा बचे हुए पूरे दानों पर पढ़ें।

6. **111+900 बार अलम नशरह पढ़ें।**

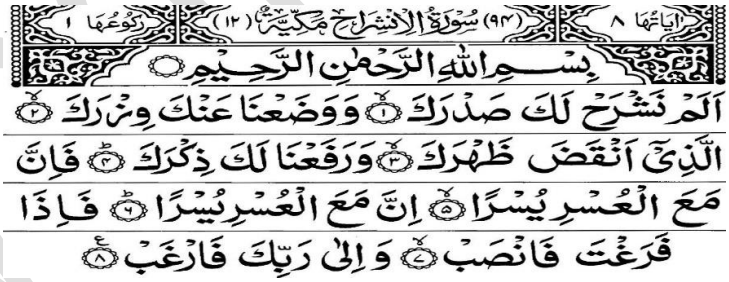

7. **111 बार सूरह इखलास पढ़लें।**

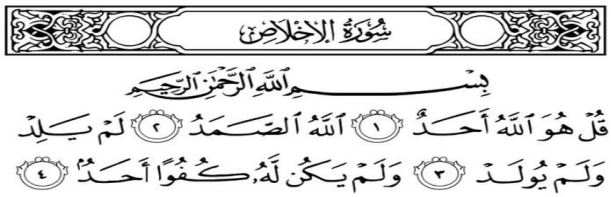

8. **111 बार दरूदे गौसिया पढ़लें।**

9. **111 बार, या हज़रत सय्यदना शैख अब्दुल क़ादिर जीलानी आतिनी शैअन लिल्लाह, पढ़ें।**

नोट:- बराए ईसाले सवाब मरहूम सय्यद आबिद हुसैन,सय्यद हामिद हुसैन,सय्यद वाहिद हुसैन,सय्यद साजिद हुसैन व जुमला अहले खानदान।

design by waqif 360